SUNCITY SCHOOL
sadaiva agrani
B-Block, Greenwoods City, Sector-45, Gurugram

हिंदी दिवस-'ऊँचाइयाँ'

७ व ८ सितम्बर

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल।

भारत में हिंदी दिवस 14 सितंबर को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरुआत आजादी के तुरंत बाद हुई। 14 सितंबर 1946 को संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा स्वीकार किया अतः हिन्दी दिवस का आयोजन हर साल 14 सितंबर को बहुत धूमधाम से किया जाता है। इस दिन को याद करते हुए, हम अपनी भाषा के महत्व को समझाने और बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं।

हिंदी उत्सव को विद्यालय परिसर में मनाते हुए सनसिटी विद्यालय ने भी इस परम्परा को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर हिंदी की महिमा का गुणगान करते हुए **हिंदी उत्सव 'ऊँचाइयाँ'** के रूप में हिंदी दिवस पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जिसके अंतर्गत कक्षा दूसरी के छात्रों ने एक विशेष सभा का आयोजन किया व सहयोग व साझीदारी की भावना के दृढ़ पहलू का एक लघु नाटिका के रूप में सफल प्रदर्शन किया। इन नन्हें कलाकारों ने अपने अभिनय का लोहा इस प्रकार मनवाया कि पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

बात हिंदी दिवस की हो और कहानी ना हो तो कुछ अधूरा सा प्रतीत होता है, जी हाँ इस उपलक्ष में हमने कक्षा पहली व दूसरी के छात्रों के लिए एक कहानी सत्र का आयोजन किया जहाँ छात्रों ने जी भरकर आनंद उठाया। हमारे विद्यालय की ही अभिभावक श्रीमती नमिता एस० संघी जी ने अपनी व्यस्त दिनचर्या में से समय निकाला व हमारे छात्रों को शिक्षाप्रद कहानी सुनाई, जिसके लिए हम उनके आभारी रहेंगे।

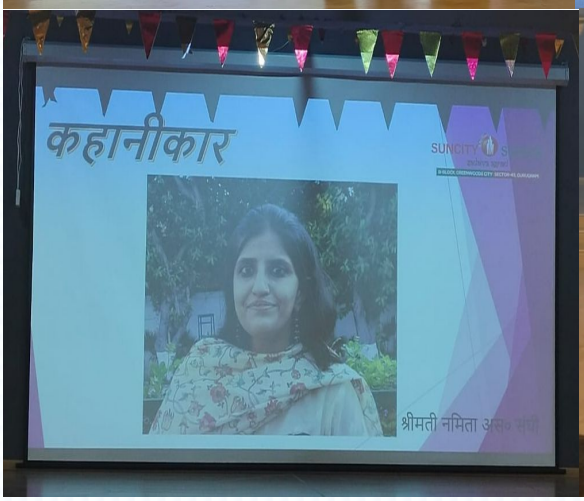

हिंदी उत्सव 'ऊँचाइयाँ' के शुभ अवसर पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जिनमें छात्रों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया व मनमोहक प्रदर्शन से समाँ बाँध दिया। जहाँ कक्षा पहली के छात्र विभिन्न शीर्षकों पर अपनी मनपसंद कविता सुनाते दिखे तो दूसरी कक्षा के छात्र सुलेख प्रतियोगिता में मोती से अक्षर लिखते दिखे, कक्षा तीसरी व चौथी के छात्र स्वतंत्र लेखक व कवि के रूप में मानों सपनो की दुनिया के दरवाज़े खोले खड़े दिखे।

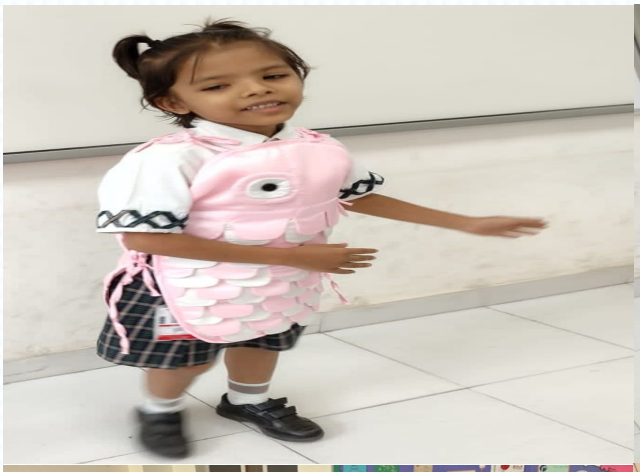

एक बीज की कहानी

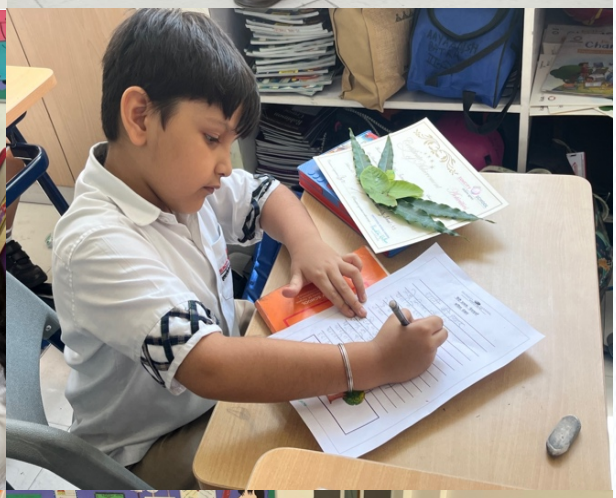

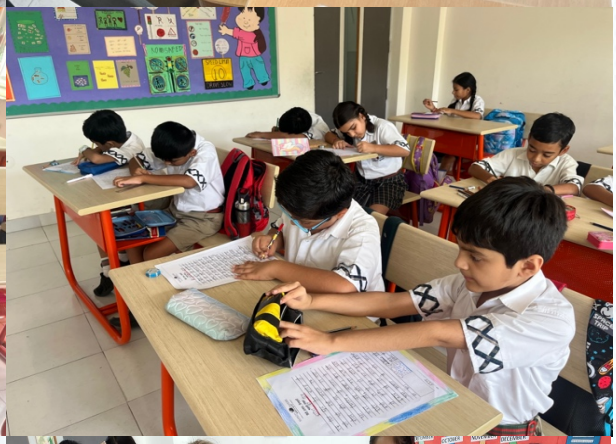

हिन्दी दिवस के समारोह में हमारे विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं ने हिन्दी भाषा के प्रति अपने पूर्ण समर्पण का प्रदर्शन कर इसे सफलता की ओर बढ़ाया। हमने हिन्दी के महत्व को समझाने और इसे बढ़ावा देने के लिए एक सशक्त प्रयास किया । इस समारोह से हमने अपने विद्यालय के छात्रों को हिन्दी भाषा के प्रति और भी गहरा अध्ययन करने और समझने के लिए प्रोत्साहित किया।

हिन्दी भाषा के प्रति छात्रों का प्रेम उनके कार्य के रूप में बढ़ – चढ़कर छलका, कक्षा पहली, दूसरी, तीसरी व चौथी के छात्रों के हाथ में कलम ने मानो सारी दुनिया के रंग अपनी प्रस्तुति में ही भर दिए हों। विजेता छात्रों का चुनाव अत्यंत कठिन कार्य रहा। जिन छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया वे कुछ इस परकार रहे –

कक्षा – I अ	ओम् लखोटिया, अद्विक जैन, विहान मिश्रा, अनिका गौर, गुहान मलिक
ब	मित्रा वोरा, कियाँ गोड़िया, कृशिव अग्रवाल, आश्वी बेजाल, लेकिशा गोड़िया
स	शनाया शिवरे, शहजलीन कौर, शौर्या मजेश्वरी, आनया मलिक, मेधांश कूदुरु
कक्षा – II अ	विहान गिरधर, अध्रित गोयल, खुशी सोखल, सानवी नेगी, क्रियान कौशिक ।
ब	पर्व गोस्वामी, साहिर सूद, सेहर खान, मिहान भल्ला, लक्ष्य भारद्वाज।
स	विवान गिरधर, कियान, इशिता मल्होत्रा, विआन अग्रवाल, शिवाली सागर, गान्या हांडा।
कक्षा – III	I -, ग्रंथ मेहरा, आध्या यादव II - रेयांश शर्मा, जसराज मोहन सिंह सूद III - श्रेयांश यादव, अनन्या कक्कड़
कक्षा – IV	I - रेनित ठुकराल , कृत्विक गोड़िया

	II- रेयांश अरोड़ा, हीया कौशिक III - समायरा छिकारा, काशवी यादव ,

विद्यालय प्रमुख **श्रीमती नंदिता माथुर महोदया जी** ने **हिंदी उत्सव 'ऊँचाइयाँ'** को अपने बेजोड़ मार्गदर्शन व हिंदी भाषा के लिए उनके अथाह प्रेम से मानो चार चाँद लगा दिए हों। महोदया जी ने न केवल छात्रों के अभिनय को सराहा अपितु विद्यालय में पधारी विशेष अतिथि अत्यंत सहज अनुभव करवाया व कहानी सत्र को साक्षात कर उसे जीवंत बनाया। विद्यालय प्रीफेक्ट प्रमुख हैड बॉय व हैड
गर्ल की अगुआई में विद्यालय प्रमुख श्रीमती नंदिता महोदया जी ने विशेष अतिथि को धन्यवाद कार्ड अर्पण किया व सभी को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ दीं।
हिन्दी दिवस के इस महत्वपूर्ण समारोह को सनसिटी विद्यालय ने एक गर्वपूर्ण पर्व के रूप में मनाया और हम सभी इसका यादगार अनुभव सदैव याद करेंगे।

अतः एक भाषा के रूप में हिंदी न केवल भारत की पहचान है अपितु यह हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति एवं संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेक्षण और परिचायक भी है। अतः निसंदेह यह राजभाषा की सच्ची अधिकारिणी है।

गूंजी हिन्दी विश्व में, स्वप्न हुआ साकार
राष्ट्र संघ के मंच से, हिन्दी का जयकार! हिन्दी का जयकार!!
अतः इसी भावना के साथ हिंदी उत्सव 'ऊँचाइयाँ' का समापन हुआ।

प्रेषित सूचना
हिंदी विभाग